विज्ञान

(www.tiwariacademy.com)
(अध्याय – 8) (जीव जनन कैसे करते हैं)
(कक्षा - 10)

पेज 154

प्रश्न 1:
परागण क्रिया निषेचन से किस प्रकार भिन्न है?

उत्तर 1:
परागकणों का किसी माध्यम (जैसे: कीट, पक्षी, वायु आदि) द्वारा परागकोष से वर्तिकाग्र तक से स्थानांतरण को परागण कहते हैं। जबकि पौधे में नर युग्मक (परागकण) तथा मादा युग्मक (अंडाशय) के संलयन द्वारा युग्मनज बनाने को निषेचन कहते हैं। परागण के पश्चात् ही निषेचन होता है।

प्रश्न 2:
शुक्राशय एवं प्रोस्टेट ग्रंथि की क्या भूमिका है?

उत्तर 2:
प्रोस्टेट तथा शुक्राशय अपने स्राव (तरल पदार्थ) शुक्र वाहिनी में डालते हैं जिससे शुक्राणु एक तरल माध्यम में आ जाते हैं। इसके कारण इनका स्थानांतरण सरलता से होता है। साथ ही यह स्राव उन्हें पोषण भी प्रदान करता है।

प्रश्न 3:
यौवनारंभ के समय लड़कियों में कौन से परिवर्तन दिखाई देते हैं?

उत्तर 3:
यौनारंभ के समय लड़कियों के स्तनों के आकार में वृद्धि होने लगती है तथा स्तनाग्र कि त्वचा का रंग भी गहरा होने लगता है। इस समय लड़कियों में रजोधर्म होने लगता है और उनकी आवाज में भी परिवर्तन (पतली आवाज अर्थात तीखापन) आने लगता है।

प्रश्न 4:
माँ के शरीर में गर्भस्थ भ्रूण को पोषण किस प्रकार प्राप्त होता है?

उत्तर 4:
माँ के शरीर में गर्भस्थ भ्रूण को माँ के रुधिर से ही पोषण प्राप्त होता है। इसके लिए एक विशेष संरचना होती है जिसे प्लैसेंटा कहते हैं, जो एक तश्तरीनुमा संरचना है और गर्भाशय कि भित्ति में धंसी होती है। इसमें भ्रूण की ओर के ऊतक में प्रवर्ध होते हैं। माँ के ऊतकों में रिक्त स्थान होते हैं जो प्रवर्ध को आच्छादित करते हैं। यह माँ से भ्रूण को पोषण (ग्लूकोज, ऑक्सीजन एवम अन्य पदार्थ) प्रदान करने हेतु एक वृहद् क्षेत्र प्रदान करते हैं।

प्रश्न 5:
यदि कोई महिला कॉपर-टी का प्रयोग कर रही है तो क्या यह उसकी यौन-संचरित रोगों से रक्षा करेगा?

उत्तर 5:
नहीं, कॉपर-टी, किसी महिला कि यौन संचारित रोगों से रक्षा नहीं कर सकती, ये सिर्फ गर्भधारण को ही रोकने में सहायक होती है।